पंजाब केसरी 1-3-2025

जी.एम.एन. कॉलेज में नशा मुक्ति विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए नशा मुक्ति अभियान को समर्थन दें : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 28 फरवरी (बलराम): जी.एम.एन. कॉलेज की यूथ रैडक्रॉस सोसायटी द्वारा जिला रैडक्रॉस सोसायटी, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग और सामाजिक कल्याण विभाग के सहयोग से कॉलेज के ऑडिटोरियम में नशा मुक्ति विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और समाज में नशा मुक्त वातावरण बनाने के लिए जागरुकता फैलाना था। भारतीय रैडक्रॉस सोसायटी से सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर रविंद्र तंवर एवं कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त द्वारा दीप प्रज्वलित करके संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। इस संगोष्ठी में कई विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

प्राचार्य डॉ रोहित दत्त ने अपने संबोधन में कहा कि नशा केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को ही नुक्सान नहीं पहुंचाता, बल्कि उसके परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। आज के युवा यदि इस बुरी लत से दूर रहें तो वे अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं। हमें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नशा मुक्ति अभियान को पूरा समर्थन देना चाहिए।

जी.एम.एन. कॉलेज में नशा मुक्ति विषय पर आयोजित संगोष्ठी की शुरुआत करते प्राचार्य डा. रोहित दत्त और संगोष्ठी में शामिल विशेषज्ञ एवं विद्यार्थी।

भारतीय रैडक्रॉस सोसायटी से सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर रविंद्र तंवर ने नशे की लत के कारणों और उसके मनोवैज्ञानिक प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उनका कहना था कि नशे की शुरुआत अक्सर जिज्ञासा या दोस्तों के दबाव में होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह एक गंभीर समस्या बन जाती है। उन्होंने नशा छोड़ने के लिए परामर्श और पुनर्वास केंद्रों की भूमिका पर भी चर्चा की।

थाना प्रबंधक अजायब सिंह ने बताया कि पुलिस विभाग समय-समय पर नशे की खेप को समाप्त करने में प्रयासरत है। महिला थाना प्रभारी सुरेखा ने कहा कि इस तरह के सेमिनार के आयोजन से युवाओं को नशे से बचने की प्रेरणा मिलती है। नारकोटिक्स सैल से वक्ता डा. अशोक वर्मा ने कानून और समाज में नशे के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा करते हुए कहा कि युवाओं को नशे की दल-दल में धकेलने वाले लोग उनके सबसे बड़े दुश्मन हैं। पुलिस लगातार नशा तस्करों के खिलाफ अभियान चला रही है, लेकिन जब तक समाज जागरूक नहीं होगा, तब तक यह समस्या खत्म नहीं होगी। हमें मिलकर इस बुराई के खिलाफ लड़ना होगा।

कॉलेज में यूथ रैडक्रॉस सोसायटी के प्रभारी डा. राकेश कुमार ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना जरूरी है। शिक्षकों और अभिभावकों को मिलकर बच्चों को सही मार्गदर्शन देना चाहिए, ताकि वे नशे से दूर रहें और अपने जीवन में सफल बनें।

इंडियन रैडक्रॉस सोसायटी के निदेशक मनोज कुमार सैनी ने नशा मुक्ति केंद्रों की सेवाओं और सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी को नशे की लत लग चुकी है तो उसे अकेला छोड़ने के बजाय सही परामर्श और चिकित्सा सहायता प्रदान करनी चाहिए। संगोष्ठी के अंत में सभी छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ ने 'नशा मुक्त समाज' बनाने की शपथ ली। उन्होंने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे।